दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 210
मुरादाबाद
(Saturday)
21 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन, पैतृक गांव के हुए रवाना, आज होगा अंतिम संस्कार

अखिलेश यादव व मायावती समेत अन्य नेताओं ने जताया शोक



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार में शोक की खबर है। उत्तराखंड स्थित उनके पैतृक गांव पंचूर में सावित्री देवी ने अंतिम सांस ली। उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां हरिद्वार में की जाएंगी। इस साल मई में गांव के दौरे के दौरान योगी ने मां से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया था।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का आज 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार सुबह 11 बजे पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक है। जानकारी के अनुसार, कल शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। खबर मिलते ही सीएम योगी पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपनी मां से आखिरी मुलाकात इसी साल मई में हुई थी। वह अपने दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर 7 मई को पैतृक गांव पंचूर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गांव में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और परिजनों से मुलाकात की। 8 मई को कार्यक्रमों के बाद वह अपने पैतृक आवास पहुंचे, जहां उन्होंने मां सावित्री देवी का आशीर्वाद लिया था।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का उत्तराखंड के पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया। शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार होगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन हो गया। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी जिले स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मां के निधन के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर थे। वह यहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे थे। इसी दौरान उन्हें अपनी मां के निधन की सूचना मिली। मुख्यमंत्री के लिए यह व्यक्तिगत रूप से बेहद दुखद क्षण है।मई में मां से हुई थी आखिरी मुलाकात-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपनी मां सावित्री देवी से आखिरी मुलाकात इसी साल मई में हुई थी। सात मई को अपने दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर मुख्यमंत्री पैतृक गांव पंचूर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गांव में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और परिवार के लोगों से मुलाकात की थी।आठ मई को कार्यक्रमों के बाद वह अपने पैतृक आवास पहुंचे थे। यहां उन्होंने मां सावित्री देवी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया था। उस समय किसी को अंदाजा नहीं था कि मां-बेटे की यह मुलाकात आखिरी साबित होगी।

संन्यास लेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारिवारिक मुलाकातें सीमित रही हैं। हालांकि, अपने पैतृक गांव और परिवार से उनका जुड़ाव हमेशा बना रहा।मुख्यमंत्री की मां के निधन पर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने शोक व्यक्त किया है। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया पर शोक संदेश जारी कर दिवंगत सावित्री देवी को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूजनीय माताजी सावित्री देवी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में उनकी गहरी संवेदनाएं मुख्यमंत्री और शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि मां का स्नेह और आशीर्वाद जीवन की अनमोल पूंजी होता है। मां का साया सिर से उठ जाना ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। दोनों नेताओं ने प्रभु श्रीराम से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक-संतप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद खबर मिली है। हमने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। अब हम वहां जाने की कोशिश कर रहे हैं।सीएम योगी की मां के निधन पर नेताओं ने मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और दूसरे नेताओं ने सीएम योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर एक इवेंट के दौरान मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।मायावती ने व्यक्त किया शोक- सीएम योगी की माता सावित्री देवी के निधन पर मायावती ने भी शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा निधन की ख़बर अति-दुखद। उनके परिवार सहित सभी रिश्तेदारों आदि के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई

महिला मोर्चा प्रदेश प्रवास की बैठक में सीएम योगी की मां के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसमें डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केपी मौर्य व पंकज चौधरी मौजूद रहे।सीएम योगी की मां के निधन पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा मुख्यमंत्री की पूज्य माताजी सावित्री देवी के स्वर्गवास का समाचार सुनकर मुझे दुख की अनुभूति हुई है। जीवन के किसी भी पड़ाव पर मां का साया उठ जाना सबसे बड़ा और असहनीय आघात होता है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं सीएम योगी और समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ? शांति!अखिलेश यादव ने जताया शोक-सीएम योगी की मां के निधन पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- उप्र के मुख्यमंत्री की माता के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। विनम्र श्रद्धांजलि के साथ उनकी आत्मा की शांति के लिए हम प्रार्थना करते हैं। शोक संतप्त परिजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं।

संक्षिप्त समाचार

राजाभैया बोले : बाबा बागेश्वर की कथा रोकने की बात करने वालों को देश-प्रदेश ने दिया मुंहतोड़ जवाब

राजनीति का सबसे आसान काम लोगों को बांटना और सबसे कठिन काम उन्हें एकजुट करना है। आज भी राजनीतिक दल फूट डालो और शासन करो की नीति पर चल रहे हैं। हिंदुओं को जात-पात के भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। यह आह्वान जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने रामकथा के अंतिम दिन किया।कुंडा के बेंती राजमहल में चल रही श्री रामकथा के अंतिम दिन शुक्रवार को जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जात-पात का भेदभाव मिटाकर सभी को एक साथ आना होगा। सबसे आसान काम लोगों को तोड़ना और उनमें फूट पैदा करना है, जबकि सबसे कठिन काम उन्हें एकजुट करना है। आज भी राजनीतिक दल फूट डालो और शासन करो की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा कि जब कथा नहीं होने देने की बात कही गई थी, तब पूरे देश और प्रदेश के लोगों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। बांग्लादेश नहीं, बल्कि भारत है। बागेश्वर बाबा को उत्तर प्रदेश में घुसने नहीं देने की बात कही गई थी। रामकथा में तीन-चार हेलीकॉप्टर से वीवीआईपी आते रहे हैं। हम चाहते तो बागेश्वर बाबा को भी हेलीकॉप्टर से ला सकते थे, लेकिन हम देखना चाहते थे कि उन्हें कौन रोकता है।

अखिलेश यादव का दावा- मंत्री राजभर की पार्टी ने भाजपा से मांगी 36 सीटें, सूची जारी की



अखिलेश यादव ने कहा कि सुभासपा एनडीए से बाहर निकलना चाहती है इसलिए यूपी में 36 सीटों की मांग कर रही है। उन्होंने भाजपा की कथित 209 प्रत्याशियों की सूची की ओर भी इशारा किया जिसे भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने फर्जी करार दिया था।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि यूपी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने भाजपा से 36 सीटों की मांग की है। अखिलेश यादव ने सीटों की सूची भी जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि सुभासपा का भाजपा से छत्तीस का आंकड़ा हो गया है, इसीलिए 36 सीट मांग रहे हैं। ये लिस्ट नहीं है हारते हुए 'एनडीए' गिरोह से बाहर निकलने का बहाना है क्योंकि आधारशून्य हो चुकी सुभासपा को अगर भाजपा 36 सीटें देने पर मजबूर हुई तो बाक़ी दल और बी-पी टीम भी उसी हिसाब से सीटें माँगेंगीज फिर तो भाजपा के पास लड़ने के लिए लगभग आधी सीटें ही बचेंगी शायद इसीलिए भाजपा के केवल 209 प्रत्याशियों की सूची आई है।अखिलेश यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहले भी सुभासपा को लेकर सीटों से संबंधित दावा किया था। अब उन्होंने लिस्ट जारी की है।भाजपा ने सपा की साजिश करार दिया-इसके पहले भी सपा ने बीते दिनों एनडीए के सहयोगी दलों को मिलने वाली सीटों को लेकर कुछ आंकड़े जारी किए थे। इसमें सहयोगी दलों को उनकी जातियों के बीच स्वीकार्यता के आधार पर अधिक भागीदारी देने की बात कही गई थी। हालांकि, भाजपा नेताओं ने इन आंकड़ों को खारिज करते हुए इसे सपा की साजिश करार दिया था। अब चुनाव के दौरान सीटों के बंटवारे में सहयोगी दलों को कितनी हिस्सेदारी मिलती है और इसके बाद उनका रुख क्या रहता है, इस पर सबकी नजर रहेगी।

अयोध्या में आकाश आनंदः बोले- हर साल दिये जलाने के रिकॉर्ड के साथ यूपी में बेरोजगारी का भी रिकॉर्ड बनता है



बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने अयोध्या में कहा कि यूपी में सड़क बनती तो है पर फीता कटने के साथ ही सड़क भी बह जाती है। प्रदेश में 25,000 स्कूल बंद हो गए हैं पर हर जगह शराब के ठेके जरूर खुल गए हैं।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने संगठन को सक्रिय करने और जनसभाओं के जरिए अपना राजनीतिक आधार मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद शुक्रवार को अयोध्या के बीकापुर पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बात करके माहौल को समझा। साथ ही जनसभा को संबोधित किया।आकाश आनंद ने जनसभा को संबोधित करते हुए कि अन्य दलों के लोग सबका साथ का नारा लगाते हैं लेकिन मायावती जी सभी जातियों के लोगों को मंच पर जगह देती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मायावती को पांचवी बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प करवाया। उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि मैं लोगों के पास जाता हूं पूछता हूं कि भाजपा की 10 साल की सरकार में आपको क्या मिला? तो कहते हैं कि काम तो पता नहीं लेकिन प्रचार खूब होता है। खुद की तारीफ करवाने के लिए तो करोड़ों खर्च किए जाते हैं पर गरीबों को इलाज नहीं मिलता है। पेपर लीक होता रहता है। अयोध्या में हर दिवाली पर हर बार दिये जलाने का रिकॉर्ड बनता है पर साथ ही बेरोजगारी का रिकॉर्ड भी प्रदेश में बन रहा है। सरकार ने 25,000 से ज्यादा स्कूल बंद किए हैं आकाश आनंद ने कहा कि यूपी में बीते 10 साल में 25,000 स्कूल बंद कर दिए हैं। टियों को शिक्षा नहीं मिल रही है। प्रदेश में शिक्षकों के एक लाख 40,000 पद खाली पड़े हैं पर भर्तियां नहीं हो रही हैं। भाजपा को अपने पैरों पर खड़ा होने वाला नागरिक नहीं चाहिए बल्कि अंधभक्त चाहिए। भाजपा का यही कहना है कि रोजगार मत दो, शिक्षा मत दो। बीते 10 साल में यूपी में सिर्फ एक ही चीज खुली है वो है शराब के ठेके। उन्होंने जनता से अपील की कि ऐसी सरकार को हटा दीजिए। मायावती को पांचवी बार मुख्यमंत्री बनाइये, सुशासन लाइए। भाजपा की सरकार में सड़क बनती है और फीता कटने के साथ ही बह जाती है।

चुनिंदा हाथों में अर्थव्यवस्थाः फिक्की में पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- 12 साल बाद जागे



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने चुनिंदा उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया और छोटे कारोबारियों व एमएसएमई को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 12 साल बाद बेरोजगारी और वेतन वृद्धि जैसे मुद्दों पर जागे हैं। खरगे ने महंगाई और आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फिक्की के शताब्दी सम्मेलन में दिए गए अपने बयान में, सरकार की विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ठहराया है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने बेरोजगारी और वेतन वृद्धि को लेकर उद्योगपतियों से सवाल किए और उन्हें आड़े हाथों लिया, तो खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री 12 साल बाद जागे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर क्रोनी कैपिटलिज्म (कुछ खास उद्योगपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाने वाली व्यवस्था) का आरोप लगाया। इसके साथ ही कहा कि इसकी वजह से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को नुकसान पहुंचा है।एक्स पर एक पोस्ट में खरगे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी आर्थिक उदारीकरण की जननी है। देश में सबसे अधिक दशक-औसत विकास दर कांग्रेस-यूपीए के कार्यकाल में ही दर्ज की गई थी। लेकिन अपनी आदत से मजबूर होकर, पीएम मोदी ने फिक्की में अपने भाषण के दौरान अपनी ही विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ठहरा दिया। ऐसा लगा मानो प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता हों।

गोरखपुर में सीएम योगी का बड़ा एलानः हर जरूरतमंद का बनेगा आयुष्मान कार्ड, 150 लोगों की सुनी समस्या



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण किया गौ सेवा की गायों को गुड़ चना खिलाया। इसके साथ ही जनता दर्शन में करीब डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की फरियाद भी सुनी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने लोगों के प्रार्थना पत्र खुद अपने हाथ में लेकर उनका अवलोकन किया और उनकी शिकायतों-समस्याओं का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उपचार में पूरी मदद करेगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए, ताकि बीमारी की स्थिति में निर्बाध उपचार सुनिश्चित हो सके। आयुष्मान कार्ड बनने के बाद भी अगर जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।सीएम योगी ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मामलों का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जमीन कब्जा करने से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने सख्ती बरतने और विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

संपादकीय Editorial

Our democracy is alive.

Why does Rahul Gandhi, the Leader of the Opposition in the Lok Sabha, repeatedly claim, both domestically and abroad, that India's democracy was destroyed in 2014? How and why did he realize this after 10 years, in 2024? On what basis is he even a Member of Parliament today? Rahul Gandhi not only makes statements but also questions the United States and European countries about why they don't interfere in India's democracy. An even more important question is how can foreign sovereigns interfere in India's internal affairs? This question has become even more relevant now, because from the stage of the India Summit in Hyderabad, Giacomo Filibeck, the alleged General Secretary of the Italian Party of European Socialists, shouted the slogan, "Vote thieves, leave the throne." Rahul Gandhi applauded and laughed, and Telangana Chief Minister Revanth Reddy couldn't help but laugh. Former Supreme Court judge Justice B. Sudarshan Reddy was also present beside Rahul, and he too smiled. He was the candidate of the opposition "INDI" alliance in the 2025 Vice Presidential election. By making such a statement, a foreigner has labeled India's ruling party "thieves." Indirectly, he has called the country's elected Prime Minister and his sworn-in government "fake." An Italian leader, in India and from a public platform, has insulted the mandate of millions of Indian voters and India itself. Instead of strongly opposing it, the foreigner's anti-India slogan was laughed at. Will the ex-officio Leader of the Opposition now laugh at the insult to the country? This is unacceptable in India and for Indian democracy. Democracy is in the very breath of India, its civilization, culture, tradition, thinking, and behavior. Democracy has existed for centuries, and will continue to exist on the basis of the Constitution. Indeed, Rahul Gandhi and a section of the opposition have made "vote theft" a political issue. India's democracy and Constitution grant them such authority, but how can a foreigner raise the slogan, "Vote thief, leave the throne?" We don't know the stature of that Italian leader, his European reputation, and his political stature, but both the foreigner's statement and the Leader of the Opposition's behavior are highly objectionable. Rahul Gandhi himself has been a Lok Sabha MP since 2004. With over 22 years of experience, he is now a senior MP, so some maturity is expected. The position of Leader of the Opposition is considered a "shadow prime minister." Is this prestige and constitutional status possible in a non-democratic country? As the face of the opposition, Rahul Gandhi has been constantly protesting, has a petition pending in the Supreme Court on issues of "vote theft," has even submitted a memorandum to the President alleging numerous discrepancies in the Election Commission, and he makes almost daily statements that Prime Minister Modi is scared and that his government is about to fall. The country's economic structure and model have been destroyed. If democracy had ended in India, would Rahul Gandhi have been able to say and do all this? He is also making statements like, "I confidently say we will defeat Modi." Elections are due in 5-6 states, including Uttar Pradesh and Punjab, in early 2027. The reality of Rahul Gandhi's party will be revealed in those elections. However, only by defeating Modi and his party in the elections will he become the next Prime Minister. Governments don't change with statements.

The world should learn from the Microsoft case.

The Microsoft outage was neither a result of hacking nor AI, which is what fuels the concern. The Microsoft outage affected millions of people in 74 countries. Internal technical glitches proved more dangerous than external attacks. Strict scrutiny of cloud service providers and alternative plans are necessary. A recent technical glitch in Microsoft services, or an outage, caused problems for millions of people in 74 countries, including India. This disruption disrupted popular services like Microsoft 365, Outlook, Teams, and CoPilot. The impact wasn't limited to ordinary users, but also affected the functioning of airlines, hospitals, banks, government offices, and courts. The disruption lasted for more than 16 hours, leading to some disturbing reports. For example, some hospitals in the UK canceled regular appointments and returned to paperwork because their schedules were stored in Outlook. Doctors were unable to view prescription requests. Police forces asked people to report crimes by phone because online forms had stopped working. Officials at a Japanese ministry printed documents to continue operations. In a city in Colorado, USA, bail payments were stalled. Here in the US, airlines warned passengers that their email support was affected, and a telecom operator's call centers were flooded with calls. Some traders confirmed trades by phone or fax. Microsoft said the outage was caused by an upgrade to increase network capacity. The company also clarified that it had nothing to do with hackers or AI. This is also worrying. Enemy governments spend years and vast sums of money trying to disrupt such large systems, yet often fail. This time, no one even had to try. A minor maintenance task did it. The very next day, a network outage grounded thousands of flights in the US for more than four hours. There was no external attacker involved. These two days of failures point in one direction. Nowadays, our largest systems are far more vulnerable to internal failures during daily operations than to external attacks. When some servers went down, their traffic overloaded the remaining servers, causing them to crash as well. Microsoft admitted that some of the servers it restarted crashed again as soon as traffic returned. Its initial fixes didn't work. Eventually, engineers had to repair the system gradually, piece by piece, testing each step. Some engineers outside the company believe that a flaw in the code had been buried for years, and the recent change exposed it. Whatever the root cause, restoring such systems depends on people, especially those who know how an old and extensive system is actually connected. This knowledge can neither be acquired through hasty recruitment nor generated by AI. The company has become increasingly short on people who know the ins and outs of legacy networks. This is the result of decisions made at the top. Satya Nadella has stated that AI is already writing a significant portion of the code in some of the company's projects. Microsoft expects to spend approximately $175 billion this year, most of which will go toward AI infrastructure. Earlier this year, it offered buyouts to approximately 9,000 US employees, then cut 4,800 jobs in July, and barely two weeks before the outage, offered voluntary leave to approximately 60,000 people—more than one in four employees. The question is, will Microsoft lose customers because of this? Certainly not. Weaning a large organization off Outlook and Teams takes a year, a lot of retraining, and a hefty consulting bill. No one will risk all this because of a single day's disruption. Microsoft knows this. When customers can't truly leave, it's unlikely to take the outage seriously. Someone else will have to do the work. After 2008, we decided that banks' word can't be blindly trusted. Today, a handful of cloud and software companies are shouldering the burden of all hospitals, courts, parliaments, airlines, and stock exchanges. They too should be subjected to the same rigorous scrutiny before the next major outage. They must prove they can recover from a failure within hours. India should push for this. Our ministries, banks, IT companies, and airlines depend on these handful of companies. The Reserve Bank expects banks to have backup plans in place in case a key vendor goes down. Now, this thinking should extend beyond banking. Large buyers can also do a lot. They should include recovery drills, independent audits, and penalty provisions in their contracts.

Ensure Climate Justice

At the 31st World Climate Conference in Turkey, Antonio Guterres emphasized climate justice as global temperatures have crossed the 1.5°C threshold.

India requested financial assistance for developing countries. Water and air pollution in the country are a matter of serious concern. The 31st World Climate Conference in Antalya, Turkey, is being held at a time when atmospheric temperatures have already surpassed the 1.5°C threshold set by the Paris Climate Agreement. Scientists predict this year will break all heat records. Due to the El Niño effect, caused by rising Pacific Ocean temperatures, there is a strong possibility of a heat wave next year, which could impact India's monsoon. Inaugurating the conference, UN Secretary-General Antonio Guterres stated that the planet is warming. However, surpassing 1.5°C does not mean sitting idle. Science is calling us not to surrender, but to fight resolutely.

India's goal at this year's summit is to strengthen the collective power of developing countries to pressure developed countries to fulfill their financial assistance promises for climate justice. Developing countries say they need approximately $1.3 trillion in financial assistance annually to green their economies and improve their infrastructure to withstand the impacts of climate change. Despite all-out efforts, only a target of $300 billion by 2035 was agreed upon, with the majority of this contribution coming from wealthy developed countries. In reality, only about $30 billion in total assistance has been raised so far. To bridge this gap between promises and fulfillment, Guterres proposed a climate justice agreement at this year's climate summit, which has four cornerstones: accelerating the transition away from fossil fuels, protecting people vulnerable to climate change, providing climate grants and affordable finance, and strengthening international cooperation. Guterres said that we cannot expect developing countries to green their economies without providing resources. He also urged recovery from fuel companies to compensate for the damage caused by climate change. These companies earned $95 billion in profits last quarter and shied away by paying only $600 million in climate compensation. They need to contribute more in this direction.The conference is also emphasizing the reduction of methane emissions. This gas can trap 80 times more heat than carbon dioxide and is responsible for more than a third of the increase in temperatures to date. The main sources of methane are cattle raised for meat and dairy, oil and gas wells, coal mines, rotting waste, and stubble burning in fields. Animal husbandry and fossil fuel industries are responsible for three-quarters of methane emissions. Therefore, the United Nations Environment Programme is setting standards for zero methane emissions for the fossil fuel industry and is also raising awareness to encourage people to switch from meat-eating to vegetarianism. The central topic of discussion at this year's conference is the heat tolerance of water and oceans, which is directly linked to the water pollution crisis in India.India ranks 120th out of 122 countries in terms of water pollution. The primary source is polluted household and factory wastewater. According to the Central Pollution Control Board, 296 of India's 271 rivers flowing through cities and industrial centers are severely polluted. This situation is despite the fact that rivers in India have been a center of worship and devotion. The world's largest religious bathing fair is held on the banks of rivers. Currently, the Chhath festival of sun worship is underway, in which bathing, meditation, and worship are performed while standing in water. Therefore, on every Chhath festival, Kumbh Mela, or other events, grand promises are made to reduce river pollution. Efforts are made to reduce pollution by releasing excess water from dams and barrages, but despite spending thousands of crores, pollution remains the same.

The 22-kilometer stretch of the Yamuna that flows through Delhi is considered the most polluted river in India. At the Wazirabad Barrage, almost all of the Yamuna's water is drained, and in its place, millions of gallons of sewage from 22 drains like Najafgarh and Shahdara are discharged. The government is installing new treatment plants for cleaning, but unless these waters are cleaned before they reach the Yamuna and the dumping of waste into the Yamuna is completely stopped, it will not become safe for bathing. This work cannot be accomplished without the sincerity of governments.

140 करोड़ के निवेश से बदलेगी मुरादाबाद मंडल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, योगी सरकार के विजन से पोल्ट्री सेक्टर को नई उड़ान

'कुक्कुट विकास नीति 2022' बनी निवेश का आधार, उद्यमियों व पशुपालकों ने किए एमओयू



मुरादाबाद। योगी सरकार के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के विजन और उत्तर प्रदेश शासन (पशुधन) की अनुशंसा पर पशुपालन विभाग ने मुरादाबाद मंडल में निवेश व रोजगार की नई नींव रखी है। दिल्ली रोड स्थित सर्किट हाउस में अपर निदेशक ग्रेड-2 डॉ. जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित ऐतिहासिक एक दिवसीय प्रथम मंडलीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव (प्रथम मंडलीय कुक्कुट निवेश सम्मेलन-2026) में विभिन्न उद्यमियों और कुक्कुट पालकों ने 140 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किए। इस पहल का लक्ष्य मंडल में कुक्कुट पालन को विस्तार देना और नए पोल्ट्री फार्मों की स्थापना के लिए पशुपालकों व युवाओं को प्रोत्साहित करना रहा।आठ सहायक क्षेत्रों में स्वरोजगार और पोषण सुरक्षा का मॉडल-मुख्य अतिथि व मुरादाबाद के संयुक्त विकास आयुक्त विनय तिवारी ने कहा कि कुक्कुट विकास व अंडा उत्पादन से ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिलता है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। सम्मेलन में छोटे, मध्यम व बड़े स्तर पर फार्म के अलावा चूजा उत्पादन, हैचरी, पोल्ट्री फीड निर्माण, दवा एवं टीका आपूर्ति, अंडा संग्रहण, परिवहन, विपणन तथा प्रसंस्करण जैसे आठ सहायक क्षेत्रों में युवाओं व स्थानीय उद्यमियों के लिए अपार अवसर बताए गए। साथ ही अंडा व कुक्कुट मांस को प्रोटीन, विटामिन व आवश्यक पोषक तत्वों का प्रमुख स्रोत बताते हुए कहा गया कि संतुलित आहार में इनके नियमित समावेश से बच्चों, महिलाओं व आम नागरिकों के पोषण स्तर में सुधार कर समाज की पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

नीति, बायोसिक्योरिटी और विभागीय मार्गदर्शन पशुपालन विभाग निदेशालय लखनऊ से आए अपर निदेशक ग्रेड-1 (कुक्कुट) डॉ. अनिल कुमार, उपनिदेशक (कुक्कुट) डॉ. ब्रिजेश त्रिपाठी और पशु चिकित्सा अधिकारी (कुक्कुट) डॉ. बिपाशा ने कुक्कुट व अंडा व्यवसाय में जैव सुरक्षा (बायोसिक्योरिटी) के महत्व के साथ योगी सरकार की 'कुक्कुट विकास नीति 2022' की व्यापक जानकारी दी। मुरादाबाद के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील दत्त ने व्यवसाय से जुड़ी आवश्यक जानकारी साझा करते हुए सफल संचालन में सहयोग किया। आयोजन में मंडल के समस्त जनपदों के मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों ने प्रतिभाग किया।तकनीक से घटेगी लागत, किसानों व कंपनियों में बढ़ेगा समन्वय-पोल्ट्री क्षेत्र की विभिन्न निजी कंपनियों ने अपने उत्पादों, तकनीकी जानकारी व आधुनिक प्रणालियों के साथ सहभागिता की। वेंकी पोल्ट्री कंपनी के विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक तरीकों, आधुनिक फार्म स्थापना, बेहतर नस्ल चयन, संतुलित आहार प्रबंधन, रोग नियंत्रण, टीकाकरण और उत्पादन क्षमता वृद्धि पर मार्गदर्शन दिया। साथ ही वर्तमान उत्पादन व मांग के अंतर को कम कर उत्पादन लागत घटाने और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. नेत्रपाल सिंह तथा वेंकी पोल्ट्री (देहरादून) के जीएम डॉ. दानवीर सिंह भी उपस्थित रहे। किसानों को तकनीकी सहायता, गुणवत्तापूर्ण संसाधन व बेहतर विपणन सुविधाएं दिलाने के लिए कंपनियों संग संवाद व समन्वय बढ़ाने पर बल दिया गया।सफल फार्मर्स बने प्रेरणा, आयोजन में रहा विशेष योगदान

मुरादाबाद मंडल के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में पोल्ट्री फार्म संचालक, कुक्कुट पालक व इच्छुक उद्यमी शामिल हुए। मंच से प्रमुख सफल पोल्ट्री फार्मर्स ने अपनी सफलता की कहानी साझा कर नए उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। समापन पर विभाग ने मंडल में पोल्ट्री विकास की गति बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास की प्रतिबद्धता जताई। सफल आयोजन में संयुक्त निदेशक (गायनेकोलॉजी) डॉ. कर्मवीर सिंह यादव, अधीक्षक डॉ. नितिन सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सदर) डॉ. वीरपाल सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (चिकित्सा स्वास्थ्य) डॉ. सुबोध कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (अमरोहा) डॉ. चमन प्रकाश, डॉ. शोएब अख्तर, पोल्ट्री प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. आदित्य गोयल और अपर सांख्यिकीय अधिकारी संजीव कुमार का विशेष योगदान रहा।

विद्युत व्यवस्था में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त, फोन रिसीव न करने वाले दो जेई का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश



जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, उपभोक्ता शिकायतों के निस्तारण तथा विभागीय अधिकारियों एवं अभियंताओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अभियंताओं की सक्रियता का मौके पर सत्यापन किया। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंताओं एवं अधिशासी अभियंताओं की मौजूदगी में नगरीय क्षेत्र के दिल्ली रोड के अवर अभियंता (जेई) श्री सतवीर सिंह तथा ग्रामीण क्षेत्र के दलपतपुर के जेई श्री सूर्यप्रकाश को फोन मिलाकर विद्युत व्यवस्था से संबंधित जानकारी लेने का प्रयास किया। दोनों जेई द्वारा फोन रिसीव नहीं किए जाने पर जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए इन दोनों जेई का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण नोटिस जराई करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारी एवं अभियंता उपभोक्ताओं के लिए सदैव उपलब्ध रहें। फोन कॉल रिसीव न करने अथवा उपभोक्ताओं की समस्याओं के प्रति उदासीनता की प्रवृत्ति को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ जेई की सक्रियता की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और उनका समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय मानकों के अनुरूप सबसे खराब प्रगति वाले विद्युत उपकेंद्रों को चिन्हित कर आगामी एक माह तक विशेष अभियान चलाया जाए। अभियान के दौरान विद्युत बिलों में सुधार, लंबित बिलों के निस्तारण एवं बिल जमा कराने सहित उपभोक्ताओं से संबंधित अन्य आवश्यक कार्यवाहियां प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जाएं।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागीय मानकों एवं राजस्व संबंधी लक्ष्यों की पूर्ति के साथ-साथ उपभोक्ताओं की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जाए। किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक रूप से परेशानी न हो तथा उसकी शिकायत का संवेदनशीलता और समयबद्धता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

काला कारोबार: नामी कंपनियों की पैकिंग में नकली दवाएं बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सरगना आसिफ समेत तीन पकड़े



नामी कंपनियों की पैकिंग में नकली दवाइयां बेचने वाले गिरोह के सरगना आसिफ समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरोह दूसरे राज्यों में टैबलेट और कैप्सूल तैयार कराकर नामी कंपनियों के नाम से पैकिंग करता था। इसके बाद मेडिकल स्टोर व दवा एजेंसियों के जरिये कई जिलों में सप्लाई करता था। नामी कंपनियों की पैकिंग में नकली दवाइयां बेचने वाले गिरोह के सरगना आसिफ और उसके दो साथी शिवम कुमार और रविंद्र सिंह को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में आसिफ के भाई वासिफ को दो दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।वहीं फरार चल रहा अमित कुमार अब तक पुलिस के हाथ नहीं आया है। एसपी नगर निवासी अमित कुमार, भोजपुर के बहेड़ी निवासी आसिफ और उसके वासिफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।जिसमें उन्होंने बताया था कि आरोपी चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश के बद्दी, सोलन और उत्तराखंड के काशीपुर में टैबलेट और कैप्सूल तैयार कराते थे। इसके बाद इन कैप्सूल और टैबलेट को नामी कंपनियों के नाम की पैकिंग कराने के बाद उन्हें अमरोहा, मुरादाबाद समेत आस-पड़ोस के जिलों में मेडिकल स्टोर और दवा एजेंसी के जरिये बिकवा देते थे। अमरोहा में एक मेडिकल से दवाइयों के सैंपल लेकर जांच कराई गई तो पता चला कि दवाइयां नकली हैं। इसके बाद टीम कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए इस गिरोह तक पहुंच गई थी। 17 नवंबर को पुलिस ने आरोपी वासिफ को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। वासिफ से पूछताछ में मिलने इनपुट के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को भोजपुर के बहेड़ी निवासी आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। इससे पूछताछ के आधार ही अमरोहा के नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के हादीपुर निवासी रविंद्र सिंह और शिवम कुमार को गिरफ्तार किया गया है।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी रविंद्र और शिवम ने आरोपी आसिफ की फर्म खुलवाने में मदद की थी। इसके अलावा दूसरे प्रदेशों में नकली दवाइयां बनवाने और सप्लाई कराने में मदद कराते थे। इस मामले में फरार चल रहे आसिफ के साथी अमित की तलाश की जा रही है।

गजरौला की कामाक्षी पेपर मिल में हादसा, गत्ते के भारी बंडल के नीचे दबकर मजदूर और सुरक्षा गार्ड की मौत



अमरोहा के गजरौला स्थित कामाक्षी पेपर मिल में गत्ते के भारी-भरकम बंडल के नीचे दबकर मजदूर थान सिंह और सुरक्षा गार्ड रूप सिंह (50) की मौत हो गई। दोनों को लिफ्टर और जेसीबी की मदद से बंडल हटाकर बाहर निकाला गया। पुलिस ने मिल में गत्ते का बंडल ऊपर गिर जाने से दबकर मजदूर व निवासी थान सिंह (46) और गजरौला थाना क्षेत्र के दोनों मजदूरों को लिफ्टर व जेसीबी से बंडल हटाकर हादसे के बाद मौके से पेपर मिल के कुछ अधिकारी व यादव ने बताया कि उनके चाचा थान सिंह पिछले पांच शुक्रवार सुबह करीब 7.30 बजे वह काम कर रहे थे।उनके रखे हुए थे। जो उनके चाचा व सुरक्षा गार्ड के ऊपर गिर के लिए लिफ्टर व जेसीबी लगानी पड़ी।सूचना पाकर औद्योगिक चौकी इंचार्ज सुभाष चौहान पुलिस संग पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर व सीओ अंजलि कटारिया ने मौके पर पहुंच कर हादसे की जानकारी ली। सीओ ने बताया कि दो मजदूर व सुरक्षा गार्ड की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

हुनर सीखिए, रोजगार की राह चुनिए : निःशुल्क कुकरी (पाककला) एवं बेकरी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

राजकीय खाद्य विज्ञान एवं प्रशिक्षण केंद्र, मुरादाबाद द्वारा मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण स्वरोजगार योजना के अंतर्गत युवाओं एवं इच्छुक अभ्यर्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एक माह के कुकरी (पाककला)/बेकरी प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए कुल 30 सीटों पर इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानाचार्य, राजकीय खाद्य विज्ञान एवं प्रशिक्षण केंद्र मुरादाबाद श्री सुरेन्द्र कुमार जायसवाल ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान चयनित प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा साउथ इंडियन, चाइनीज, फास्ट फूड सहित विभिन्न भारतीय एवं कॉन्टिनेंटल व्यंजन, बेकरी आइटम तथा बर्थडे केक आदि तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण सामग्री किट भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में कौशल प्रदान कर स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सूक्ष्म/लघु उद्योग स्थापित करने के इच्छुक लाभार्थियों द्वारा नियमानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने पर गठित समिति की संस्तुति के आधार पर मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत परियोजना लागत का 50 प्रतिशत, अधिकतम 1 लाख रुपए तक का अनुदान उपलब्ध कराया जा सकेगा।

यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होगा। अभ्यर्थी का साक्षर होना आवश्यक है तथा उसकी आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। चयन में उत्तर प्रदेश सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा। निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में चयन मेरिट/लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 30 नवंबर 2026 तक प्रवेश फार्म प्राप्त कर राजकीय खाद्य विज्ञान एवं प्रशिक्षण केंद्र, मुरादाबाद में जमा कर सकते हैं। आवेदन एवं अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालय दिवसों में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

टीडीआई सिटी में 22 नवम्बर को आयोजित होगी ब्लैक आउट मॉकड्रिल, विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा श्री नीरज चक ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, नागरिक सुरक्षा अनुभाग, लखनऊ के दिए गए निर्देशों के अनुपालन में हवाई हमले के दौरान बचाव हेतु नागरिक सुरक्षा विभाग, डी0डी0एम0ए0, एस0डी0आर0एफ0, अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य एवं होमगार्ड, एनसीसी आदि संबंधित विभागों के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 22 नवम्बर 2026 रविवार को सायं 06:00 बजे मुरादाबाद शहर स्थित टीडीआई सिटी में ब्लैक आउट मॉकड्रिल का आयोजन प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि ब्लैक आउट मॉकड्रिल के दौरान विद्युत विभाग द्वारा टीडीआई सिटी स्थित घरों की विद्युत आपूर्ति पूर्णतः प्रतिबंधित रखी जाएगी। इस संबंध में टीडीआई सिटी के नागरिकों से अपील की गई है कि दिनांक 22 नवम्बर 2026 को सायं 06:00 बजे ब्लैक आउट मॉकड्रिल के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर परेशान न हों तथा इस दौरान इन्वर्टर एवं विद्युत के अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग न करते हुए प्रकाश प्रतिबंधित रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 हेतु जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर स्थापित

विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के आलेख्य प्रकाशन दिनांक 17 नवम्बर, 2026 से अंतिम प्रकाशन दिनांक 04 जनवरी, 2027 तक की अवधि के लिए जनपद स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर स्थापित किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यह सेंटर जिला निर्वाचन कार्यालय, नवीन तहसील भवन के बराबर, हिमगिरी रोड, मुरादाबाद में स्थापित किया गया है।

इस संबंध में आम नागरिकों की सुविधा हेतु नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0591-1950 एवं 0591-2970080 जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर प्रतिदिन प्रातः 09:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कलेक्ट्रेट में DM ने बटन दबाकर दिखाया– कैसे 7 सेकंड में पक्की होती है वोट की गारंटी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली (ब्यूरो)आगामी चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान और मतदाताओं का भ्रम दूर करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में ईवीएम जागरूकता अभियान की शुरुआत हुई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया और खुद मशीन का बटन दबाकर लोगों को वोट डालने की लाइव प्रक्रिया समझाई।?



डेमो के दौरान डीएम ने बताया कि मतदान केंद्र पर पहचान की जांच और कंट्रोल यूनिट से अनुमति मिलने के बाद, मतदाता को बैलेट यूनिट पर अपने पसंदीदा प्रत्याशी के सामने वाला नीला बटन दबाना होगा। बटन दबते ही बीप की आवाज के साथ लाल बत्ती जलेगी और VVPAT मशीन में 7 सेकंड तक प्रत्याशी के नाम व चुनाव चिन्ह की पर्ची दिखेगी, जिससे मतदाता खुद अपने वोट की पुष्टि कर सकेंगे।डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि EVM पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी है। जनपद की सभी तहसीलों में भी ऐसे कैंप लगाए गए हैं ताकि लोग चुनाव से पहले मशीन को छूकर और चलाकर देख सकें। कार्यक्रम में एडीएम संतोष कुमार सिंह, पूर्णिमा सिंह, दिव्या ओझा समेत निर्वाचन अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

पत्रकार बंधुओं को सिखाई गई स्व-गणना की बारीकियां, मौके पर कराया लाइव डेमो

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली (ब्यूरो) बरेली। जनगणना-2027 को पूरी तरह डिजिटल और जनसहभागिता से सफल बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन दर्ज होगा परिवार और आवास का ब्योरा- कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर ने स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत नागरिक घर बैठे निर्धारित ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए अपने परिवार और आवास से जुड़ी जरूरी जानकारियां खुद दर्ज कर सकेंगे।

ट्रेनिंग के दौरान फॉर्म भरने के सही तरीके और बरती जाने वाली सावधानियों की भी जानकारी दी गई।

पत्रकारों ने मौके पर ही की स्व-गणना- प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाने के लिए कई पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों की मौके पर ही लाइव स्व-गणना कराई गई। इस दौरान प्रशासन की ओर से मीडिया बंधुओं से अपील की गई कि वे इस डिजिटल सुविधा का प्रचार-प्रसार करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा आम नागरिक घर बैठे ही अपनी गणना पूरी कर सकें।कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी नीतू कन्नौजिया, नोडल अधिकारी और मास्टर ट्रेनर सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अवैध कॉलोनियों पर चला बीडीए का बुलडोजर, निर्माण ध्वस्त

बरेली (ब्यूरो) अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बृहस्पतिवार को बड़ी कार्रवाई की। इज्जतनगर क्षेत्र के कंजादासपुर व धौरेरा माफी में करीब 22 हजार वर्गमीटर भूमि पर विकसित की जा रही चार अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कराया गया। कॉलोनियों में बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंडों का चिन्हांकन, सड़क व बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा था। प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण ध्वस्त कराए। पहली कार्रवाई इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव कंजादासपुर में हुई। यहां सिराज की ओर से करीब छह हजार वर्गमीटर क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इसके अलावा धौरे रामाफी में रजनीश कुमार की तीन हजार वर्गमीटर, सत्यपाल की आठ हजार वर्गमीटर व रवि पटेल की पांच हजार वर्गमीटर भूमि पर विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया गया।



चौबारी मेला को लेकर यातायात पुलिस ने किया बरेली-बदायूं मार्ग पर रूट डायवर्जन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली (ब्यूरो) कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले ऐतिहासिक चौबारी मेले को लेकर यातायात पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अकमल खां ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करते हुए 22 नवंबर सुबह 8 बजे से 25 नवंबर रात 10 बजे तक भारी वाहनों और रोडवेज बसों के रूट में बदलाव किया गया है। मेले की ओर जाने वाले रास्तों पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मेला क्षेत्र में नो-एंट्री- देवचरा, चौपला और बुखारा मोड़ से कोई भी भारी वाहन या रोडवेज बस रामगंगा चौबारी मेले की तरफ नहीं जा सकेगी। बदायूं से बरेली व अन्य शहरों के लिए- बदायूं से बरेली आने वाले भारी वाहन भमौरा, देवचरा चौराहा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी, फरीदपुर और बड़ा बाईपास होकर शहर में प्रवेश करेंगे। वहीं लखनऊ, शाहजहांपुर और पीलीभीत जाने वाले वाहन देवचरा से दातागंज, फतेहगंज पूर्वी व बड़े बाईपास के रास्ते निकलेंगे। बदायूं की ओर जाने वाले वाहन- लखनऊ, शाहजहांपुर, पीलीभीत और नैनीताल से बदायूं जाने वाले वाहन बड़ा बाईपास (पीलीभीत-नैनीताल रूट से), फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा चौराहा व भमौरा होकर जाएंगे। दिल्ली, मुरादाबाद और रामपुर से बदायूं जाने वाले वाहनों को झुमका तिराहे से बड़ा बाईपास होते हुए इसी रूट से भेजा जाएगा। रामपुर और मुरादाबाद जाने वाले भारी वाहन फतेहगंज पूर्वी, बड़ा बाईपास, विलयधाम, विल्वा और झुमका तिराहा होकर गुजरेंगे। यातायात पुलिस ने बरेलीवासियों से अपील की है कि 22 से 25 नवंबर के बीच बरेली-बदायूं रोड का इस्तेमाल करने से बचें और असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

डॉक्टर बनने के साथ सेवा और संवेदनशीलता भी सीखें, केशव अग्रवाल

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली (ब्यूरो) डॉक्टर बनने का सफर केवल चिकित्सा ज्ञान हासिल करने तक सीमित नहीं है। एक अच्छे चिकित्सक के लिए नैतिकता, संवेदनशीलता और मरीजों के प्रति सेवा भाव भी जरूरी है। यह संदेश बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डा. केशव अग्रवाल ने रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दिया।

कॉलेज में बीएएमएस सत्र 2026-27 के नए विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय आयुर्प्रवेशिका कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें छात्रों को आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा के मूल सिद्धांतों, चिकित्सकीय नैतिकता, रोगी सेवा और मानवीय मूल्यों से परिचित कराया जाएगा।

उद्घाटन सत्र में कुलाधिपति डा. केशव अग्रवाल ने विद्यार्थियों से पूरी लगन, मेहनत और समर्पण के साथ पढ़ाई करने का आह्वान किया। कुलपति डा. लता अग्रवाल ने चिकित्सा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनुशासन और निर्धारित लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

दिव्यांग छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाएगी सरकार, मिलेंगी नि:शुल्क ई-ट्राइसाईकिल

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली (ब्यूरो) स्कूल, कॉलेज या किसी संस्थान में प्रशिक्षण ले रहीं बरेली की दिव्यांग छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार नि:शुल्क ई-ट्राइसाईकिल देगी। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी चमन सिंह ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 20 ई-ट्राइसाईकिल का लक्ष्य रखा गया है। पात्रता एवं आवेदन- योजना के लिए बरेली की 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की ऐसी दिव्यांग छात्राएं पात्र हैं, जिनका परिवार आयकर दाता न हो और जिन्हें पिछले 5 वर्षों में किसी सरकारी निधि से ई-ट्राइसाईकिल न मिली हो। इच्छुक छात्राएं अपने संस्थान के अध्ययन प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, फोटो व कोर्स के विवरण के साथ विकास भवन स्थित कक्ष संख्या-04 में आवेदन जमा कर सकती हैं। लाभ पहले आओ, पहले पाओ और दिव्यांगता प्रतिशत के आधार पर मिलेगा।

मढ़ीनाथ शिव मंदिर के पास, धू-धूकर जले दो वाहन

बरेली (ब्यूरो) सुभाषनगर थाना क्षेत्र स्थित मढ़ीनाथ इलाके में बीती रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़े दो वाहन अचानक आग का गोला बन गए। घटना रात करीब डेढ़ बजे की है, जब सन्नाटे के बीच एक छोटा हाथी और कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते लपटों ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि आसपास के लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। ?सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल, वाहनों में आग कैसे लगी, यह अभी भी एक पहेली बना हुआ है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।



खेत पर पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने किया जानलेवा हमला, ईंट लगने से विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष बेहोश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



भुता।(शेर सिंह) थाना भुता क्षेत्र के ग्राम फैज़नगर में विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष रवि उर्फ शिव सिंह पर खेत में जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में उनके सिर में ईंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुआंडांडा भेजा।

जानकारी के अनुसार, रवि उर्फ शिव सिंह का खेत मिर्जापुर भट्ठे के सामने स्थित है। बताया जाता है कि वह शाम करीब 7-00 बजे अपने खेत पर पहुंचे थे। इसी दौरान वहां पहले से घात लगाए बैठे पप्पू निवासी ग्राम पिपरथरा, भट्ठा मुंशी और उनके अन्य साथियों ने अचानक ईंट-पत्थरों और लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान रवि के सिर में ईंट लग गई, जिससे वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।

शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को आता देख हमलावर मौके से फरार हो गए। गांव के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रवि उर्फ शिव सिंह को उपचार के लिए सीएचसी कुआंडांडा भिजवाया।

ग्रामीणों के अनुसार, रवि उर्फ शिव सिंह पर इससे पहले भी इन्हीं लोगों द्वारा हमला किया गया था। उस घटना के संबंध में थाने में तहरीर दी गई थी, लेकिन आरोप है कि उस समय कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। अब दोबारा हमला होने से ग्रामीणों में रोष है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

चेयरमैन क्रिकेट कप के फाइनल में आयत ट्रेडर्स ने मारी बाजी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी।बंद पढ़ी रबर फैक्ट्री मैदान पर चल रहे चेयरमैन क्रिकेट कप का फाइनल शुक्रवार को आयात ट्रेडर्स और बाबूजी इलेवन के बीच खेला गया। फाइनल मुकाबले में आयत ट्रेडर्स ने बाबूजी इलेवन को 51 रन से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया।चेयरमैन इमराना बेगम ने टीम को इलेक्ट्रिक स्कूटी और 21 हजार का नकद पुरस्कार दिया।जबकि उप विजेता टीम को 11 हजार रुपए देकर पूरी टीम को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को फाइनल मैच के दौरान बाबूजी इलेवन टीम के कप्तान रोहित उपाध्याय ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी आयत ट्रेडर्स की टीम ने 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 115 रन बनाए। टीम के खिलाड़ी समीर सैफी ने ताबड़तोड़ बल्ले बाजी करते हुए 2 छक्के 3 चौके की मदद से 13 गेंदों में 32 रन की सर्वाधिक पारी खेली।जिसके चलते इन्हें वेस्ट बेटिंग का खिताब दिया गया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी बाबूजी इलेवन की टीम 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 64 रन ही बना सकी। इस तरह आयत ट्रेडर्स ने 51 रनों से मैच जीत लिया।पूरी श्रृंखला में सर्वाधिक रन और विकेट लेने के चलते कासिम अली को मैन ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

आयोजन समिति की ओर से चेयरमैन इमराना बेगम ने विजेता टीम के कप्तान फरीद अंसारी समेत पूरी टीम को एक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी, 21 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी दी।जबकि उपविजेता बाबूजी इलेवन को 11 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।अंपायर अधिवक्ता जावेद और पंकज कुमार रहे।कमेंट्री रिजवान खान ने की।इस मौके पर मुख्य रूप से मो शाहिद उर्फ कल्लू ,हारून चौधरी,ईओ पुष्पेंद्र सिंह राठौर,सभासद शराफत हुसैन,जाहिद हुसैन, धर्मेंद्र सिंह आदि समेत इलाके के हजारों दर्शक मौजूद रहे।

परसा खेड़ा में भव्य लोकार्पण समारोह : जनप्रतिनिधियों का लगा जमावड़ा

बरेली (ब्यूरो) परिवहन सेवाओं को और अधिक सुगम और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से परसा खेड़ा में आयोजित भव्य लोकार्पण समारोह में जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि इस नई पहल से न केवल यात्रा का अनुभव सुधरेगा, बल्कि यात्रियों के प्रति बेहतर और संवेदनशील व्यवहार को भी बढ़ावा मिलेगा।

?परसा खेड़ा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित इस गरिमामयी समारोह में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह,राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, नवाबगंज विधायक एमपी आर्य, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, बहोरन लाल मौर्य और भाजपा नेता प्रशांत पटेल समेत कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। समारोह में परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर इसे सफल बनाया।

बिजनौर में कसौंदी की फली खाने से दो बच्चियों की मौत, तीसरी की हालत गंभीर; नदी किनारे से तोड़कर खाई थीं

बढ़ापुर के मोहल्ला ठाकुरान निवासी माहेनूर, चाहत और सादिका गुलाह नदी के पास खेलने गई थीं। नदी किनारे पर उगे कसौंदी के पौधे पर लगी फली तोड़कर तीनों ने खा ली। माहेनूर और चाहत की मौत हो गई। सादिका का इलाज चल रहा है। बढ़ापुर में कसौंदी (पैमार) की फली खाना तीन मासूम बच्चियों के लिए जानलेवा साबित हुआ। फली खाने के बाद माहेनूर (चार) और चाहत (छह) की मौत हो गई जबकि आठ साल की सादिका की हालत गंभीर है। उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है।मोहल्ला ठाकुरान निवासी सलीम अहमद की बेटी माहेनूर, शकील अहमद की बेटी चाहत और शमीम अहमद की बेटी सादिका बुधवार शाम घर के पास स्थित गुलाह नदी के किनारे खेलने गई थीं।

हैकर्स ने खाते से उड़ाए 95 हजार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। साइबर ठग ने हैक करके नौगवां निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से 95 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

मोहल्ला नौगवां निवासी उमाकांत पाल का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा में खाता है।

आरोप है कि 17 नवंबर को अज्ञात हैकर ने उनके खाते से 95 हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। उन्हें इसकी जानकारी मोबाइल पर मैसेज आने पर हुई।

पीड़ित ने खुद किसी को रुपये ट्रांसफर नहीं किए।

सूचना पर उन्होंने बैंक प्रबंधन व पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने 19 नवंबर देर शाम को अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से मामले की जांच की जा रही है।जल्द आरोपी पुलिस हिरासत होगा।

अभाविप के पूर्व कार्यकर्ताओं को राष्ट्र निर्माण के कार्यों में लगाया जाएगा : अनूप गुप्ता

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवम मिश्रा, ऋषभ मौर्य, कंडेरा, अभिनव चौधरी, संजू राहुल शर्मा, राहुल मौर्य, वीरपाल कोरी, दिनेश यादव, जीतू शर्मा, देवदत्त दिवाकर, डॉ. एसपी शर्मा, अमिताभ सागर, सत्येंद्र चौधरी सहित अनेक पूर्व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



बिलारी । नगर के हर्ष नगर मोहल्ले में उत्तर प्रदेश संसदीय सद्भाव समिति के सभापति एवं विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के पूर्व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में अनूप गुप्ता ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे पूर्व कार्यकर्ताओं को एकजुट कर राष्ट्र के पुनर्निर्माण और समाजहित के कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उनके अनुभव, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रविरोधी ताकतों के मंसूबों को विफल करने के लिए समाज में राष्ट्रहित की भावना को और मजबूत करना आवश्यक है। इस अवसर पर अभाविप के पूर्व जिला प्रमुख धर्मेंद्र गांधी, नीरज,

सेंट अल्फोंसा स्कूल में चतुर्थ वार्षिक समारोह का भव्य आयोजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी (शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता)) विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा रहे मुख्य अतिथिआज सेंट अल्फोंसा स्कूल, चिटौली, फतेहगंज पश्चिमी में चतुर्थ वार्षिक समारोह (Fourth Annual Day Function) का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। प्रधानाचार्य जैसिन मैडम ने विधायक डीसी वर्मा का शॉल उड़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया इस अवसर पर विधायक जी ने सभी छात्र-छात्राओं एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को वार्षिक समारोह की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा केवल सफलता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने का आधार भी है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं माता-पिता और गुरुजनों के प्रति सम्मान की भावना अपनाने का संदेश दिया। साथ ही अभिभावकों से भी बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संस्कारवान एवं शिक्षित बच्चे ही देश और समाज का उज्ज्वल भविष्य हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्रों द्वारा बहुत सुंदर-सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें प्रांगण में सभी उपस्थित अभिभावकों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया

संक्षिप्त समाचार

छब्बीस को मनाया जाएगा विधि दिवस, अधिवक्ता होंगे सम्मानित



बिलारी । तहसील बार एसोसिएशन की बैठक में छब्बीस नवंबर को विधि दिवस मनाने की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।इस दौरान वर्ष 2011 और 2012 में पंजीकृत अधिवक्ताओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। अधिवक्ताओं ने संगठन की मजबूती, एकजुटता और उनके अधिकारों की रक्षा को लेकर अपने विचार रखे। साथ ही विधि दिवस कार्यक्रम को गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक की अध्यक्षता तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आफाक हुसैन ने की। संचालन बार एसोसिएशन के महासचिव परमजीत सिंह ने किया। बैठक में अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

कलेक्टर की पहल से बच्चों को मिली राहत, किशनपुर स्कूल तक बना 20 फीट चौड़ा रास्ता

शिवपुरी। जिले की तहसील नरवर अंतर्गत ग्राम पंचायत जैतपुर के मजरा ग्राम किशनपुर स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को अब स्कूल आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। कलेक्टर अर्पित वर्मा की पहल पर मुख्य सड़क से स्कूल तक 20 फीट चौड़ा रास्ता तैयार कराया गया है। इससे लंबे समय से रास्ते की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों और विद्यार्थियों को राहत मिली है।जानकारी के अनुसार, ग्राम किशनपुर के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर अर्पित वर्मा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर बताया था कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है। इसके कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है। खासकर बारिश के मौसम में विद्यार्थियों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तहसीलदार नरवर विजय कुमार त्यागी को मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद तहसीलदार की मौजूदगी में ग्राम जैतपुर के सर्वे नंबर 2111/1, 2111/2 एवं 2111/3 के निजी कृषकों से आपसी सहमति प्राप्त की गई। किसानों की सहमति के बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से मुख्य सड़क से शासकीय प्राथमिक विद्यालय किशनपुर चक तक 20 फीट चौड़ा रास्ता तैयार कराया गया।तहसीलदार विजय कुमार त्यागी ने बताया कि रास्ते पर पंचायत द्वारा जनपद से मुरम मंगवाकर डलवाई जा रही है, जिससे मार्ग को आवागमन के लिए और बेहतर बनाया जा सके। रास्ता तैयार होने से अब विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में सुविधा होगी और ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ है।

देव उठनी एकादशी पर अनेक जगह हुए अनुष्ठान, कुआखेड़ा में हुई शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । देव उठनी एकादशी पर क्षेत्र में अनेक स्थानों पर हवन पूजन अनुष्ठान हुए।भक्तों ने एकादशी की कथा पढ़ी जो अनेक भक्तों ने सुनी। प्रभु लक्ष्मी नारायण से सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की। चामुंडा देवी मंदिर कुआंखेड़ा में मिश्रा परिवार ने जगदीश शरण मिश्रा कृष्णा देवी एवं गंगा शरण शुक्ल हरप्यारी देवी की स्मृति में शिव परिवार की स्थापना कराई पंडित पुष्पेंद्र पाराशरी ने विधिवत पूजन करने के उपरांत प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान किया। इस अवसर पर क्षेत्र में सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। अनुष्ठान में गांव के महिला पुरुषों ने सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया। महिलाओं ने ढोलक बजाकर गीत गाए। कार्यक्रम में सुनील कुमार मिश्रा ममता मिश्रा, सुबोध मिश्रा, अनुज कुमार शुक्ला, अभिनव मिश्रा, कुलदीप शर्मा सुनीता शर्मा, पुलकित शर्मा, शुभ शर्मा,अशोक शर्मा, छत्रपाल सिंह,आशू मिश्रा आदि शामिल रहे।

देव प्रबोधिनी एकादशी और देव दीपावली का बताया धार्मिक महत्व

@ क्यूँ न लिखूँ सच



रुस्तम नगर रामपुर । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुआ हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर में वंदना सभा के पश्चात प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने भैया-बहनों एवं आचार्यों को देव प्रबोधिनी एकादशी और देव दीपावली के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देव प्रबोधिनी एकादशी अथवा देवोत्थान एकादशी कहा जाता है। सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागृत होते हैं। उनके जागरण के साथ ही चातुर्मास समाप्त होता है और विवाह, गृह प्रवेश सहित अन्य मांगलिक कार्यों का शुभारंभ हो जाता है। इस दिन भगवान शालिग्राम और माता तुलसी के विवाह की परंपरा भी प्राचीन काल से चली आ रही है।उन्होंने बताया कि सनातन परंपरा में वर्षभर 24 एकादशियां होती हैं, जिनका अपना अलग-अलग धार्मिक महत्व है। देव प्रबोधिनी एकादशी पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं और भगवान सत्यनारायण की कथा सुनते हैं। इस अवसर पर दान-पुण्य करने, आंवले के वृक्ष के नीचे भोजन बनाने तथा भगवान का पूजन करने की भी परंपरा है। व्रत में सिंघाड़ा, शकरकंद और नया गुड़ ग्रहण किया जाता है। इस दिन गन्ने का पूजन कर उसे चूसने की भी परंपरा है। देव दीपावली के विषय में उन्होंने बताया कि काशी (वाराणसी) के दशाश्वमेध घाट सहित विभिन्न घाटों और तीर्थस्थलों पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दीप जलाकर देव दीपावली मनाई जाती है। इस पर्व पर दीपदान का विशेष धार्मिक महत्व है। कार्यक्रम में ब्रज किशोर, मार्ग नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, संजय सिंह, गौरव सिंह, सुनील कुमार, प्रेमपाल, दिलीप सिंह, सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, विनीता एवं पूजा ने सहयोग किया।

पोहरी में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का शिविर आयोजित, स्वसहायता समूह की महिलाओं ने सुनाई आत्मनिर्भरता की कहानी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति, आवास, प्रमाण पत्र और अन्य हितलाभ वितरित पोहरी/शिवपुरी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से शुक्रवार को शासकीय महाविद्यालय परिसर पोहरी में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान-2026 के तहत शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजन की समस्याओं का निराकरण किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम में पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह, जनपद पंचायत अध्यक्ष रामकली आदिवासी, जिला पंचायत सीईओ विजय राज, जनपद सीईओ ऑफिसर सिंह गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। स्वसहायता समूह की महिलाओं ने बताई सफलता की कहानी-शिविर में आयोजित उद्यम संवाद कार्यक्रम विशेष आकर्षण रहा। इसमें जिला पंचायत सीईओ विजय राज ने स्थानीय उद्यमियों और स्वसहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से सीधा संवाद कर उनके अनुभव जाने।

इस दौरान फिरोज खान ने बताया कि उद्योग विभाग की सहायता से ऋण लेकर उन्होंने कपड़े की दुकान शुरू की और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया। वहीं आजीविका मिशन से जुड़ी मीरा खाकरे ने बताया कि शीतला माता समूह से जुड़ने और ऋण सहायता मिलने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। आज वे सालाना डेढ़ लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। समूह से मिली सहायता और अपनी कमाई से उन्होंने आगे की पढ़ाई पूरी कर डिग्री भी हासिल की।इसी प्रकार अनारी जाटव ने बताया कि आजीविका मिशन से प्रशिक्षण और सहयोग मिलने के बाद उन्होंने अपना काम आगे बढ़ाया। आज वे सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मिशन ने उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ अपनी बात रखने का मंच और आत्मविश्वास भी दिया।

लाखों रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र किए वितरित- कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ वितरित किए गए। उद्योग विभाग की स्वरोजगार योजना के तहत देशबंधु ओझा और फिरोज खान को 4-4 लाख रुपये तथा रामनिवास कुशवाह को 5 लाख रुपये की ऋण स्वीकृति प्रदान की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत हीरामन स्वयं सहायता समूह नरैयाखेड़ी और खुशी स्वयं सहायता समूह सोनीपुरा को 3-3 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।

लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत तीन बालिकाओं को 1.43-1.43 लाख रुपये के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। पशुपालन विभाग के माध्यम से सूरज पाल को 6 लाख और रघुवीर आदिवासी को 1 लाख रुपये का हितलाभ दिया गया। संबल योजना के तहत पूजा कुशवाह को 2 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं आवास योजना के तहत ग्राम डांगबर्वे निवासी राजाराम आदिवासी को आवास का लाभ दिया गया। प्रमाण पत्र और साइकिलों का भी वितरण- शिविर में राजस्व विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों को जन्म पंजीयन, खसरा नकल, ईडब्ल्यूएस एवं जाति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। शिक्षा विभाग की ओर से तीन विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान की गईं।

नगर परिषद पोहरी द्वारा भी संबल 2.0, पीएम स्वनिधि एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसके अलावा पात्र हितग्राही को विवाह प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान 7 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर 8 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से शासन का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को आमजन के करीब लाना, पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना और उनकी समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना है।

22 नवम्बर को पुलिस लाइन ग्राउंड में होगा मॉकड्रिल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूँ में शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद बदायूँ में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से आगामी 22 नवम्बर को स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में सांय 06 बजे ब्लैक आउट मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

जिलाधिकारी अवनीश राय के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा/नगर मजिस्ट्रेट सुमित सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।नगर मजिस्ट्रेट ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग समय से अपनी तैयारियां पूर्ण कर लें तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों एवं आपदा मित्रों की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही सायरन, संचार व्यवस्था, सुरक्षित निकासी, भीड़ नियंत्रण एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। एंबुलेंस, मेडिकल टीम एवं अग्निशमन विभाग को आवश्यक संसाधनों सहित अलर्ट रहने के भी निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

गृहों में बच्चों की सुरक्षा को दी जाए सर्वोच्च प्राथमिकता

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बदायूँ महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत जनपद में संचालित राजकीय विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण एवं स्वैच्छिक संगठन दलित ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण का शुक्रवार को जिला निरीक्षण समिति द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। शासन एवं भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में मानकों का परीक्षण करते हुए जियो टैगिंग फोटोग्राफ के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला निरीक्षण समिति ने महिला अस्पताल परिसर में संचालित राजकीय विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण तथा मोहल्ला नेकपुर की गली संख्या-01 में दलित ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण इकाई का निरीक्षण किया। इस दौरान अनाथ एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के खानपान, स्वास्थ्य, देखभाल, सुरक्षा तथा गृहों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। राजकीय विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण के प्रबंधक एवं समन्वयक ने समिति को अवगत कराया कि वर्तमान में गृह में तीन बच्चे निवासरत हैं। वहीं संरक्षण अधिकारी संस्थागत ने बताया कि एक बच्चा दत्तक ग्रहण पूर्व पालन-पोषण (प्री-एडॉप्शन फॉस्टर केयर) में है। सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा चुका है तथा उनका स्वास्थ्य सामान्य है। बच्चों से संबंधित कानूनी प्रक्रिया भी जारी है।

इसी प्रकार दलित ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा संचालित दत्तक ग्रहण अभिकरण इकाई के सचिव अनूप सक्सेना ने बताया कि संस्था में विशेष आवश्यकता वाले दो बच्चे निवासरत हैं। दोनों बच्चे आरक्षित किए जा चुके हैं तथा दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में हैं। उनका स्वास्थ्य सामान्य पाया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन मानवेन्द्र सिंह ने गृहों में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा बच्चों के आवासीय कक्ष, शौचालय, स्नानगृह एवं रसोईघर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। गृहों में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का विवरण पंजिका में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। बायोमैट्रिक डिवाइस के माध्यम से संस्थाओं में निवासरत बच्चों एवं कार्यरत कार्मिकों की उपस्थिति दर्ज कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा के लिए शासनादेश में निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने दोनों गृहों से संबंधित अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते हुए निर्धारित मानकों का अनुपालन कराया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, पुलिस उपनिरीक्षक इन्द्रपाल सिंह, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. सर्वेश कुमारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निरंजन सिंह, बाल कल्याण समिति सदस्य सविता मालपाणी, संस्थागत संरक्षण अधिकारी प्रीति कौशल, कांस्टेबल रवि कुमार, मुख्य आरक्षी यतेन्द्र कुमार एवं मुख्य आरक्षी बलजीत सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

12 दिसम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बदायूँ में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में एवं मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 12 दिसम्बर 2026 को जनपद में प्रात: 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश के अनुपालन में राजवीर सिंह, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत एवं आंचल राना धवन, सचिव, (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 12 दिसम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित व निस्तारण करने हेतु 20 नवम्बर शुक्रवार को बैंक अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित समस्त बैंक अधिकारीगण/बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जनसामान्य को सूचित कर अधिकाधिक संख्या में प्री-लिटीगेशन विवादों को नियत कर आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने का यथासम्भव प्रयास करें।

विधायक विनोद चतुर्वेदी ने राधारानी मंदिर मार्ग का किया लोकार्पण, ग्रामीणों को मिलेगी आवागमन में सुविधा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

उरई (जालौन)(नीरज कुमार) जालौन। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में ग्राम निपनियां से ग्राम सिमहारा कासिमपुर मार्ग स्थित राधारानी मंदिर तक सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण विधायक विनोद चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा मंदिर तक पहुंचना आसान होगा। लोकार्पण कार्यक्रम ग्राम प्रधान महादेव यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जालौन के.के. सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, बेहतर यातायात व्यवस्था और गांवों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर जोर दिया गया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण मौजूद रहे।



केबिन में बुलाकर पकड़ते थे हाथ: महिलाकर्मी ने बिजली विभाग के अफसर को जड़े पांच थप्पड़

हमीरपुर में बिजली विभाग की महिला कर्मचारी ने एक्सईएन पर बार-बार केबिन में बुलाकर हाथ पकड़ने और अश्लील बातें करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को कार्यालय में विवाद के दौरान महिला ने अधिकारी को पांच थप्पड़ जड़ दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। महिला ने पुलिस से शिकायत की है। विभाग ने भी कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी है।बिजली विभाग के मुख्यालय में तैनात एक महिला कर्मी ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए तैनात एक्सईएन को एक के बाद एक पांच थप्पड़ जड़े। आरोप है कि एक्सईएन महिला को जबरन केबिन में बुलाकर छेड़खानी करते थे। महिला ने पुलिस से शिकायत की है। वहीं महिला का थप्पड़ मारते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रिपोर्ट बनाकर भेजी गई है।यूपी के हमीरपुर स्थित बिजली विभाग के कार्यालय में तैनात महिला कर्मचारी का आरोप है कि संबंधित एक्सईएन उसे बार-बार फोन कर अपने केबिन में बुलाते थे। इस दौरान वह उसका हाथ पकड़ते और अश्लील बातें करते थे। महिला के मुताबिक, अधिकारी हाथ की रेखाओं का हवाला देकर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी करते थे।

वीरांगना झलकारी बाई की 196वीं जयंती पर उरई में रचेगा इतिहास 22 नवंबर को टाउन हॉल मैदान से गूंजेगा - झलकारी बाई अमर रहें!

@ क्यूँ न लिखूँ सच



उरई (जालौन)(नीरज कुमार)1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर वीरांगना, रानी लक्ष्मीबाई की दुर्गा दल की सेनापति अमर शहीद वीरांगना झलकारी बाई (कोरी) की 196वीं जयंती है।पूरा जालौन, पूरा बुंदेलखंड, पूरा उत्तर प्रदेश इस दिन उरई की ओर देखेगा। जिला पंचायत कार्यालय उरई में आयोजित हुई पत्रकार वार्ता में जिला एकीकरण समिति / अखिल भारतीय कोरी/कोली समाज, जिला इकाई उरई-जालौन (उ0प्र0)के तत्वावधान में आयोजित इस महाआयोजन की रूपरेखा मीडिया के समक्ष रखी गई। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कार्यक्रम आयोजक डॉ0घनश्याम अनुरागी (पूर्व सांसद), प्रशासक/अध्यक्ष जिला पंचायत जालौन, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कोरी/कोली समाज ने जानकारी देते हुए कहा झलकारी बाई केवल एक समाज की नहीं, पूरे भारत की वीरांगना हैं। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई बनकर अंग्रेजों को चकमा दिया, मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर कर दिए। उनकी जयंती को ऐतिहासिक बनाना हम सबका कर्तव्य है। डॉ0अनुरागी ने बताया दिनांक 22 नवंबर 2026, रविवार, प्रात: 9:00 बजे टाउन हॉल मैदान (रानी लक्ष्मीबाई पार्क) उरई से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। सभी लोग समय से पहुंचें।डॉ0 अनुरागी ने कहा टाउन हॉल मैदान से शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। हजारों की संख्या में महिलाएं, युवा, समाजसेवी, छात्र-छात्राएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे, घोड़े और जयघोष से पूरा उरई गूंज उठेगा।डॉ0 अनुरागी ने बताया शोभायात्रा के बाद वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। हम सब मिलकर वीरांगना को नमन करेंगे, श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। डॉ0अनुरागी ने जानकारी दी माल्यार्पण के बाद विशाल जनसभा होगी। जिसमें माननीय मंत्रीगण, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण, प्रदेशीय एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारीगण, अधिकारीगण, समाजसेवी एवं महिलाएं भारी संख्या में उपस्थित होंगी।डॉ0 अनुरागी ने कहा जनसभा में वक्ता झलकारी बाई के अदम्य साहस, रणकौशल और सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डालेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वीरांगना के जीवन पर आधारित गीत, नाटक, कविताएं और झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी।डॉ घनश्याम अनुरागी ने कहा झलकारी बाई ने जिस तरह रानी लक्ष्मीबाई का वेश धारण कर अंग्रेजी सेना को चकमा दिया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, वह आज की युवा पीढ़ी और महिलाओं के लिए त्याग व शौर्य की सबसे बड़ी मिसाल है। हमारी बेटियां झलकारी बाई से प्रेरणा लें।डॉ0 अनुरागी ने कहा यह आयोजन किसी एक समाज का नहीं, सर्वसमाज का है। झलकारी बाई सबकी हैं। जिला एकीकरण समिति का उद्देश्य ही समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं।डॉ0अनुरागी ने बताया शोभायात्रा के मार्ग, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मंच व्यवस्था - सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यकर्ता दिन-रात लगे हैं।मेरी सभी बहिनों-भाइयों से विनम्र अनुरोध है कि इस आयोजन में समय से उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। यह सिर्फ जयंती नहीं, यह स्वाभिमान का उत्सव है, यह शौर्य का महाकुंभ है। आइए, हम सब मिलकर वीरांगना को नमन करें और उनके आदर्शों को घर-घर पहुंचाएं।आयोजन समिति ने जिले के समस्त नागरिकों, समाजसेवियों, युवाओं व मातृशक्ति से बड़ी संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने और वीरांगना को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने परिवहन मंत्री के साथ आरटीओ भवन का किया लोकार्पण

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो)संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के नवनिर्मित भवन लोकार्पण समारोह में शामिल होने के लिए शुक्रवार को परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह बरेली पहुंचे। बरेली आगमन पर कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह का स्वागत अभिनंदन किया। इसके बाद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर परसाखेड़ा स्थित नवनिर्मित संभागीय परिवहन कार्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, एलएलसी कुंवर महाराज सिंह, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, जिला पंचायत प्रशासक रश्मि पटेल, नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्य, एससी एसटी आयोग सदस्य उमेश कठेरिया, महिला आयोग सदस्य पुष्पा पांडे, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, यतिन भाटिया, प्रशांत पटेल सहित आरटीओ विभाग के अधिकारी, पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत धामनोद में उद्यम संवाद आयोजित

@ क्यूँ न लिखूँ सच





विदिशा,हाकम सिंह रघुवंशी) मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आज विकासखंड ग्यारसपुर के ग्राम धामनोद के पंचायत भवन में उद्यम संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वनमंडल अधिकारी विदिशा, जनप्रतिनिधियों सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना, हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना रहा।

उद्यम संवाद के दौरान मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करने वाले उद्यमियों तथा स्वसहायता समूहों की महिला उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शासकीय योजनाओं से प्राप्त सहायता एवं मार्गदर्शन के माध्यम से किस प्रकार उन्होंने स्वयं का व्यवसाय एवं आजीविका के साधन विकसित किए हैं।कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने उद्यमियों से संवाद करते हुए उनके व्यवसाय की शुरुआत, योजना से प्राप्त लाभ, आर्थिक स्थिति में आए बदलाव तथा स्वरोजगार के दौरान सामने आई चुनौतियों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के माध्यम से व्यक्ति न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकता है।पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। अनजान लिंक एवं कॉल से बचाव तथा साइबर अपराध होने पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में जागरूक किया।वहीं वनमंडल अधिकारी ने युवाओं से संवाद करते हुए वन भूमि पर कृषि के लिए अतिक्रमण करने के बजाय शासन की स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेकर स्वयं का उद्यम स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को वैकल्पिक आजीविका के साधन अपनाने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। विभिन्न शासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी -कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इनमें मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना, पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा एमएसएमई प्रोत्साहन योजना शामिल हैं।

अधिकारियों द्वारा योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता, लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से जुड़कर अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। समस्याओं का कराया गया त्वरित निराकरण उद्यम संवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों की समस्याओं एवं प्राप्त आवेदनों पर भी चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों के माध्यम से समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया गया। कार्यक्रम के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी एवं स्वरोजगारपरक योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ ही हितग्राहियों को अपने अनुभव साझा करने और अन्य लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने का अवसर मिला।

लाभार्थियों ने साझा किए अनुभव, जीवन में आए बदलावों की दी जानकारी -कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के बाद उनके जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर सकारात्मक बदलाव आए हैं। स्वरोजगार स्थापित होने से उनकी आय में वृद्धि हुई है तथा परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। साथ ही समाज में उनकी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान में भी वृद्धि हुई है। महिला स्वसहायता समूहों की उद्यमी महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि योजनाओं के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने और परिवार की आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का अवसर मिला है।

Is your favorite sweater looking unkempt due to lint? Try these 3 tricks at home, and it'll be brand new.

Frustrated by lint on your favorite sweater this winter? You can make it look brand new again with some things you already have at home. As soon as the cold winter winds begin, we all start taking out our warm clothes from our wardrobe. You might have eagerly pulled out your coziest sweater to wear, but all the excitement is ruined when you find unsightly lint all over it. Now, you're hesitant to wear it to work or meet friends, and because it's a favorite, you don't want to throw it away or give it away. If this exact tragedy has happened to your beloved sweater, there's no need to despair. Before dumping it back in your wardrobe, you can make it look new again with things you already have at home. Let's learn three very easy tricks. Use a shaving razor - This method is as unique as it sounds. Lay your sweater flat on a flat surface like a bed or table. Now take a clean, new shaving razor and gently run it over the sweater. Be sure to use the razor very gently and not apply too much pressure, otherwise the hair may cut. You will notice that all the hair will get caught in the razor blade and be easily removed. The magic of a fine comb - If you're a little apprehensive about using a razor, a fine-toothed comb you have at home can be very useful. Lay the sweater flat and gently comb it. This will trap and remove all the extra hair and tangles without damaging the sweater's threads. This method works best for thick wool sweaters. Use wide cellophane tape - If the sweater has very fine and adhering hair, hair strands, or dust, use wide, transparent packing tape. Cut a piece of tape and apply it firmly to the area of ??the sweater where there's lint. Pull the tape off with a jerk, just like waxing. The adhesive on the tape will pull away all the stubborn lint and dirt, and your sweater will be clean in minutes.



Sasur Mere Nai Boya Bajra... Whether it's Khodiya or ladies' music, the joy of a wedding is incomplete without this Haryanvi folk song.

When a aunt or uncle, behind a veil, begins to sing a typical Haryanvi folk song, even the charm of the most expensive DJ fades. In this era of DJ bass and pop music, when the resonant beats of the dholak and the laughter of women echo through the courtyard of a wedding house, the atmosphere is something else entirely. Yes, the true color of Haryanvi weddings is set off by these traditional folk songs, without which every celebration seems incomplete. Today, we're talking about one such playful Haryanvi folk song, "Sasur Mere Nai Boya Bajra." If you delve deeper into this song, you'll discover a beautiful fabric of Haryana's flourishing farming, the warmth of the joint family, and the sweet banter between sisters-in-law and mother-in-law and daughter-in-law. "Sasur Mere Nai Boya Bajra" is an ancient and famous song composed in the traditional folk singing style of Haryana. In ancient times, when life depended entirely on farming and crops, the daily routine of rural households revolved around the fields. The most famous opening lines of this folk song are: "Sasur Mere Nai Boya Bajra, Yam Aayi Haran Jowar Suniyo... Jeth Nai Ghalya, O Jyodia, Ascendant, Ai Swasan, Naar Suniyo..." In this song, a daughter-in-law playfully describes the agricultural lifestyle and family relationships of her in-laws. The lyrics describe her father-in-law sowing millet in the field. This song not only talks about farming, but also beautifully depicts the everyday conversations of a daughter-in-law with her brother-in-law, sister-in-law, and in-laws. This folk song is the soul of the Haryanvi countryside. While the lyrics of this folk song may seem simple and humorous, they hold a strong bond of Haryana's rural life and family relationships. This song isn't just about sowing millet or growing crops, but it also reflects the conversations within a family. Later in the song, the mention of taking bread to the sister-in-law's field, the advice given by the mother-in-law, and the sharp yet witty replies of the sister-in-law symbolize the confidence and simplicity of the hardworking women of that era. It shows how women, even amidst the responsibilities of home and farm, would steal moments of laughter and fun. Its distinctive words become imprinted on the tongue as soon as you hear them: "Upar chadkai, mariya a gofiya, the lovers joined in, four listens... Who called you, where did you come from, I listen, respectable one, listen... Younger sister-in-law, he brought roti, I am sister-in-law, your friend, listen... Your sister-in-law, I will give you the doll, don't tell me where you are, listen... Sister-in-law is stubborn, your mother-in-law taught your daughter-in-law to the gardener, listen with... Mother-in-law is a loser, her father-in-law taught your daughter-in-law to the gardener, listen with... A Haryanvi wedding party feels incomplete without this song. Whenever there is Khodiya or women's music at weddings, women cannot resist singing this song to the beat of the dholak. This song is not just sung for entertainment, but it provides women with a great way to express their happiness and banter with each other through banter.



Family expectations, fake smiles, and loneliness... Find out what price men pay for being a "strong man"?

Society pressures men to be strong and emotionless, leading them to suppress their emotions and feel lonely. In our society, men are taught from childhood not to cry, to be strong, and to shoulder every responsibility without complaint. Old sayings like "Mard ko dard nahi hota" further reinforce this notion, placing a burden on men's shoulders that they carry throughout their lives. This emotional burden puts unnecessary pressure on them, affecting their emotional health. There are many things men silently endure every day. Let's learn about them. Not expressing emotions - From childhood, boys are forbidden from crying. It is considered a sign of weakness. Even if a child cries, the elders in the house immediately interrupt them and ask, "You're a boy, why are you crying like a girl?" This social conditioning is so deeply ingrained that even after growing up, they are unable to break free. They believe that crying is a stain on their masculinity. Family Expectations - A man is always placed in the role of provider and protector. Regardless of the household's financial situation, the pressure of meeting the family's needs is placed solely on the man's shoulders. Putting aside his own desires, dreams, and mental fatigue, he has to work day and night to meet his family's needs. However, this is ignored, considering it his duty. Hesitation in seeking help - Even when mental pressure increases, men are unable to speak openly about it. They fear that if they express their fatigue, society will consider them weak. Therefore, they continue to live with a fake smile even in front of their family. This emotional isolation hollows them from within. Family Support - There is a social perception that no matter how lonely or sad a man feels, he must always be his family's support. She has to always remain strong in front of the family so that no one considers her weak. To take charge of the family, she also has to remain strong and cannot express her feelings. Need for change - Now the time has come to change this old thinking. We have to understand that men are also human beings and they too have their own feelings. The responsibility of the house should not be solely on their shoulders. This will not only improve their mental health but will also instill a sense of equality. Apart from this, children need to be provided with a sensitive environment from childhood so that they can break out of typical gender roles and choose what they like.



He lost his father at 15, lost his job at 17... The 'Swami' of Malgudi Days left acting and now does this work.

Master Manjunath, who became a household name as the mischievous Swami in Malgudi Days, where and what is he doing today? Manjunath worked for 14 years. Manjunath got his first film at the age of 3 - the mischievous 'Swami' from Narayan's book? The same 10-year- excuses to skip school and was a became a household favorite. He in Doordarshan's Malgudi Days Although he had appeared in made him a star. For his role in this national award, and a state award. age of 3 and by the age of 17, he TV shows in Kannada and Hindi where and what is Master Debut at the age of 3 - Master artist. Coming from a non-filmi the opportunity to work in his first Jimmy podcast, he said, "A part- too much and convinced my parents starring veteran actor Ambarish." to acting, his parents were clear that cinema. He explained that this was in both his acting and studies to his father. Manjunath was



Doordarshan's show made him a superstar. Remember Doordarshan's cult show Malgudi Days, based on RK old 'Swami' who, along with his friends, would make master of mischief. As 'Swami' in Malgudi Days, he became famous as 'Swami' - The character of 'Swami' was played by child actor Master Manjunath. several films and TV shows, it was Malgudi Days that show, he was honored with 6 international awards, 1 Master Manjunath entered the world of acting at the had appeared in approximately 25 films and several cinema. But after suddenly disappearing from films, Manjunath doing now? Let us tell you about him... Manjunath had a very illustrious career as a child family, Manjunath was just 3 years old when he got film, Ajit. Talking about his debut on the Jimmy time production manager noticed that I was talking to let me work in a Kannada film called 'Ajith,' His family warned him: While Manjunath was drawn if he failed in class, he would be removed from a threat from his family. Therefore, he worked hard manage both. The actor was devastated after losing devastated when he lost his father at the age of 15. His mother worked to support him, and he too acted, but he was no longer offered films or TV shows. By the age of 17, he had decided to give up acting. Explaining the reason, the actor said, "In our time, the journey forward for child actors wasn't easy, as there were no roles for teenagers. You were either a child actor or a direct hero or actor playing other roles." Manjunath left films to become a content writer. He was last seen in the 1992 Telugu film Swati Kiranam. After this, he chose a new career path. This path led him into the world of IT, where he prospered. He worked as a content writer at OnlineBangalore.com. You might be surprised to know that to get the job, he lied about knowing how to use the internet. In reality, all he knew about the internet was that he had seen foreigners using three computers at a Coffee Day outlet on Brigade Road. What does Manjunath do now? Manjunath has become a well-known name in the field of e-governance. He is part of numerous e-governance projects, both private and government. Not only e-governance, but he also worked on infrastructure projects like the Bengaluru Expressway Corridor and the NICE Peripheral Road for nearly 18 years. For the past decade, Manjunath has been running his own consultancy firm, VIC Private Limited, which helps create policy coordination between private companies and the government.

Rashmi Desai's ex-husband Nandish Sandhu has married for the second time, tying the knot with Kavita Banerjee, who is 11 years his junior.

Television actors Nandish Sandhu and Kavita Banerjee are now married. Nandish and Kavita have tied the knot. Rashmi Desai is Nandish's ex-wife. Wedding photos have surfaced



on social media. Television actors Nandish Sandhu and Kavita Banerjee married in a traditional ceremony in Hooghly, West Bengal, on November 14th. Family members and close friends attended the wedding, while photos and videos from the ceremony were shared on social media. Photos have surfaced on social media: Several family members and friends of the couple shared wedding photos on Instagram. Nandish re-shared these updates on his Instagram Stories, giving fans a glimpse of the wedding. Nandish and Kavita also shared glimpses of the celebrations on social media. Before the wedding, Nandish thanked everyone who sent their love and blessings as the couple embarks on the next phase of their lives. Engagement Announcement on Social Media: Nandish announced the engagement by sharing several photos on Instagram. He captioned the post, "Hi partner. Ready?" Kavita showed her engagement ring to her followers through her Instagram story, adding the date 05/09/2025 and the eye-catching emoji. Nandish later re-shared her post. Following the announcement, congratulatory messages poured in from their friends and colleagues in the television industry. Nandish and Kavita's Television Career: Both Nandish and Kavita have worked in television. Kavita has appeared in shows like "Teri Meri Ikk Jindri" and "Bhagya Lakshmi," while Nandish has been a part of several television projects. According to reports, Kavita is 11 years younger than Nandish. Nandish's first marriage was with actress Rashmi Desai. They fell in love while working on television and married in 2012. News of their separation surfaced in 2014, and they divorced in 2016. Their separation became a topic of public discussion when Rashmi accused Nandish of physical and mental abuse. These allegations garnered considerable attention at the time.

Gaurav Khanna and Shraddha Arya's "Dil Ki Bewafaiyaan" promo has fans excited, this pair will be seen together for the first time.

Gaurav Khanna and Shraddha Arya will be seen together in Star Plus' new show, "Dil Ki Bewafaiyaan." The recently released promo reveals much of the show's story. Gaurav Khanna and Shraddha Arya will be seen Plus on November 24, 2026. The story of a Gaurav Khanna and Shraddha Arya will be seen Bewafaiyaan." A new promo was released on air on TV? - It features Manav and Janaki responsibilities. The show will premiere on the show is based on the lives of Manav and friends, the couple spent years starting a family, responsibilities have taken a toll on their back. While Janaki tries to rekindle their responsibilities and feels his personal life is (Shraddha Arya) asking Manav (Gaurav that Manav should color his hair too, because has a different perspective. He tells Janaki that now their elder daughter is getting married. Is reminds the couple of their wedding



together in the show, which premieres on Star relationship after 20 years of marriage. Actors together in Star Plus' upcoming show, "Dil Ki Saturday, November 14. When will the show discussing marriage, romance, and family November 24, 2026, at 9 p.m. The story of Janaki after 20 years of marriage. Once good but everyday life and domestic relationship. Janaki longs for the old romance romance, Manav is caught up in family incomplete. The promo begins with Janaki Khanna) to color her hair. She then suggests looking good makes one feel good. Manav it seemed okay when they were younger, but Janaki missing the old Manav? Then, an alarm anniversary. Janaki congratulates Manav and tells him that she loves him. Manav simply replies, "Me too," to which Janaki asks where his romantic side has gone. Janaki reminds him that he used to be full of poetry and romantic antics. But Manav points out that responsibilities have now replaced such moments. Gaurav Khanna is best known for playing Anuj Kapadia in "Anupama." He later participated in reality shows like "Celebrity MasterChef India" and "Bigg Boss 19," winning both of them. He also appeared in "Khatron Ke Khiladi 15." Shraddha Arya is best known for playing Preeta in "Kundali Bhagya." She also appeared in "Kumkum Bhagya" in 2025.